भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 281

दिनांक 04 फरवरी, 2025

कृषि केंद्र और विकास संस्थान

281. श्री खलीलुर रहमान:

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पश्चिम बंगाल में कृषि अनुसंधान केन्द्र और विकास संस्थान कृषि क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रहे हैं;
(ख) यदि हां, तो स्थानवार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त कृषि अनुसंधान केन्द्रों और विकास संस्थानों ने विगत तीन वर्षों के दौरान कृषि विकास के क्षेत्र मे कार्य किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) उक्त विकास कार्यों से कृषि क्षेत्र में किस सीमा तक वृद्धि हुई है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने पश्चिम बंगाल राज्य में 4 अनुसंधान संस्थान और 10 क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं। ये संस्थान देश के अन्य भागों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल राज्य की कृषि प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा कर रहें है। इसके अतिरिक्त, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन के लिए पश्चिम बंगाल में जिला स्तर पर 23 कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) भी स्थापित किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित अनुसंधान संस्थानों और क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों की सूची **अनुबंध-I** में दी गई है।

(ग) एवं (घ): पश्चिम बंगाल में स्थित कृषि अनुसंधान संस्थानों/ केंद्रों ने किसानों और हितधारकों के लिए प्रदर्शन, प्रशिक्षण तथा कौशल विकास कार्यक्रमों आदि के साथ ही साथ विभिन्न खेत फसलों, दलहन, तिलहन, रेशे, बागवानी फसलों, जलवायु-अनुकूल किस्मों; मुर्गीपालन और मत्स्यपालन क्षेत्रों; एर्गोनॉमिक रूप से बेहतर उपकरणों एवं उपस्करों तथा महिला कृषकों के अनुकूल उपकरणों एवं मशीनरी के विकास हेतु अनुसंधान कार्य किए हैं। पिछले तीन वर्षों (2021-2023) और वर्ष 2024 के दौरान पश्चिम बंगाल के लिए कुल 132 खेत फसलों की किस्मों का विकास किया गया है तथा इन्हें जारी किया गया है। इनमें अनाज की 69 किस्में; तिलहन की 16 किस्में; दलहन की 22 किस्में; रेशे वाली फसलों की 11 किस्में; चारा की 8 किस्में और गन्ने की 6 किस्में शामिल हैं।

कृषि का विकास केंद्र सरकार, राज्य सरकारों की विभिन्न नीतियों और योजनाओं तथा कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य पर निर्भर करता है। पश्चिम बंगाल में, पिछले तीन वर्षों में, कृषि अनुसंधान और विकास संस्थानों ने, सरकारी नीतियों और सहायता से कृषि विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है।

****

अनुबंध-I

{लोक सभा के दिनांक 04.02.2025 के अतारांकित प्रश्न सं. 281 का भाग (क) एवं (ख)}

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित कृषि अनुसंधान संस्थानों की सूची

1. राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, (एनआईएनएफईटी), कोलकाता
2. केंद्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, (सीआरआईजेएएफ), बैरकपुर, कोलकाता
3. केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, (सीआईएफआरआई), बैरकपुर, कोलकाता
4. कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, (एटीएआरआई), कोलकाता

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित भाकृअनुप संस्थानों के क्षेत्रीय केंद्रों की सूची

1. आईसीएआर-आईवीआरआई का पूर्वी क्षेत्रीय स्टेशन, बेलगछिया रोड़, कोलकाता
2. आईसीएआर-एनडीआरआई का पूर्वी क्षेत्रीय स्टेशन, कल्याणी, नादिया
3. आईसीएआर-सीटीआरआई अनुसंधान केंद्र, दिनहट्टा, कूच बिहार
4. आईएआरआई क्षेत्रीय स्टेशन, कलिमपोंग, दार्जिलिंग
5. आईसीएआर-सीआईबीए का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, काकद्वीप, 24 परगना (दक्षिण)
6. आईसीएआर-सीआईएफई केंद्र, सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता
7. आईसीएआर- सीआईएफए का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, रहरा फिश फार्म, रहरा
8. आईसीएआर-सीपीसीआरआई, अनुसंधान केंद्र, मोहितनगर, जलपाईगुड़ी,
9. आईसीएआर-सीएसएसआरआई क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, केनिंग टाउन, 24 परगना (दक्षिण)
10. आईसीएआर-सीआईएसएच क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, मखदुमपुर, मालदा

****